B.Ed 2nd year

Teaching of Hindi

7th may 2020

Thursday

मौखिक भाषा शिक्षा

'मौखिक' → 'लिखित' → अपने मन के भाव व विचारों को लिखकर व्यक्त करना।

मानव अपने भाव, विचार एवं अनुभवों को अभिव्यक्त करने के लिए जिस ध्वन्यात्मक संकेत साधन का प्रयोग करता है उसे उसकी मौखिक भाषा कहते हैं।

'मौखिक भाषा के तत्व'

1 ⇒ वाक्य
2 ⇒ शब्द
3 ⇒ अक्षर
4 ⇒ विचारों की सुसम्बद्धता।
5 ⇒ विषयानुकूल भाषा-शैली।
6 ⇒ उचित स्वर।
7 ⇒ समान गति।
8 ⇒ भावानुकूल स्वराघात।
9 ⇒ भावानुकूल हाव-भाव।
10 ⇒ शिष्टाचार।

'मौखिक भाषा शिक्षण के उद्देश्य'

ज्ञानात्मक उद्देश्य → छात्रों को वाक्य रचना का ज्ञान कराना।
→ छात्रों को अवसरानुकूल शब्दावली एवं वार्तालाप का ज्ञान कराना।
→ छात्रों को शब्दों, ध्वनिसमूहों, लोकोक्ति व मुहावरों का ज्ञान कराना।

कौशलात्मक उद्देश्य → छात्रों को धैर्य से सुनने की क्रिया में प्रशिक्षित करना।
→ बलाघात के साथ भाव ग्रहण करने में निपुण करना।
→ आत्मविश्वास के साथ उचित हाव-भाव का प्रदर्शन।
→ छात्रों को शुद्धोच्चारण, बल प्रवाह के साथ बोलने में प्रशिक्षित करना।

भावात्मक उद्देश्य → विभिन्न शैलियों को सीखने की रुचि उत्पन्न करना।
→ भाषा सीखने व विभिन्न बातों को जानने की रुचि उत्पन्न करना।
→ जाति व धर्म के प्रति स्थायी भाव का निर्माण करना।

'मौखिक भाषा की शिक्षा'

पूर्व प्राथमिक स्तर पर → विद्यालय आकर्षण का केन्द्र।
→ श्रवणेन्द्रिय और स्वर तन्त्र का परीक्षण।
→ सुनने व बोलने के लिए पर्यावरण।
→ अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता।
→ सामान्य विषयों पर बात-चीत।

Scanned with CamScanner

- विद्यालयी विषयों पर बातचीत।
- कहानी सुनाना और सुनना।
- दृश्य-श्रव्य साधनों का प्रयोग।
- प्रदर्शन एवं निर्देशन।
- आदर्श सम्भाषण।
- टेपरिकॉर्डर का प्रयोग।
- प्रेम एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार।

प्राथमिक स्तर और मौखिक भाषा की शिक्षा

प्रत्यक्ष विधि

- वार्तालाप।
- कहानी कहना और सुनना।
- समाचार सुनना और सुनाना।
- चित्र वर्णन।
- अभिनय
- दृश्य साधनों का प्रयोग।

अप्रत्यक्ष विधि

- लिखित कार्य
- वार्तालाप।
- प्रदर्शन व निर्देशन
- आदर्श भाषण
- टेपरिकॉर्डर का प्रयोग
- सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार

उच्च प्राथमिक स्तर / मौखिक भाषा

प्रत्यक्ष विधि

- पठित लेखों के सारांश सुनना।
- साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन।
- प्रसंगानुकूल प्रश्नोत्तर।
- दृश्य-श्रव्य साधनों का प्रयोग।

अप्रत्यक्ष विधि

- पठित लेखों के सारांश लिखना।
- भाषा विकास पर बल।
- बालोपयोगी साहित्य का अध्ययन।
- व्याकरण की नियमित शिक्षा।
- दर्पण प्रयोग।
- टेपरिकॉर्डर का प्रयोग।

माध्यमिक स्तर पर मौखिक भाषा

- प्रत्यक्ष विधि
- अप्रत्यक्ष विधि
- कहानी सुनाना

मौखिक कार्यों का भाषा शिक्षण में महत्त्व

- वार्तालाप
- कहानी सुनना सुनाना
- चित्र वर्णन
- उच्चारण अभ्यास
- व्याख्या एवं समीक्षा
- विश्लेषण एवं संश्लेषण

B.R.C Deoband
Sapna Tyagi
7/05/2020

Scanned with CamScanner